Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री नरसिंह जी पूजा विधि ॥

घर पर पूजा का सरल क्रम

पूजा-सामग्री, संकल्प, मंत्र, आरती एवं जयंती-पूजन

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री नरसिंह जी पूजा विधि ॥

॥ पूजा की तैयारी ॥

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा-स्थान साफ करें और शांत मन से आसन पर बैठें। चौकी पर साफ पीला या लाल वस्त्र बिछाकर भगवान नरसिंह अथवा लक्ष्मी-नरसिंह का चित्र या उपयुक्त विग्रह स्थापित करें। अपने परिवार और सम्प्रदाय की परंपरा का आदर करते हुए पूजन करें।

॥ आवश्यक सामग्री ॥

स्वच्छ जल, आचमनी या छोटा चम्मच, चंदन, अक्षत, पुष्प, तुलसीदल, धूप, घी या तेल का दीपक, फल, सात्त्विक नैवेद्य और आरती की थाली रखें। अभिषेक करने योग्य विग्रह हो तो जल तथा अपनी परंपरा के अनुसार पंचामृत रखें। चित्र पर जल या पंचामृत न डालें; पुष्प और चंदन से पूजा करें।

जो सामग्री उपलब्ध हो, उसे श्रद्धापूर्वक अर्पित करें।
पूजा का मूल भाव भक्ति, स्वच्छता और समर्पण है।

॥ श्री नरसिंह जी पूजा विधि ॥

॥ १. मंगल-स्मरण और संकल्प ॥

हाथ-पैर स्वच्छ कर आचमन करें। श्रीगणेश, गुरु और अपने इष्ट का स्मरण करें। हाथ में जल और पुष्प लेकर अपना नाम, स्थान और पूजन का उद्देश्य मन में कहें। सरल संकल्प करें: “मैं भगवान श्री नरसिंह की प्रसन्नता, सद्बुद्धि और सबके मंगल की भावना से यह पूजा करता/करती हूँ।” जल पात्र में छोड़ दें।

॥ २. ध्यान और आवाहन ॥

लक्ष्मी-नरसिंह के मंगलमय स्वरूप का ध्यान करें। स्मरण करें कि भगवान ने प्रह्लाद की रक्षा के लिए अवतार लिया। नमस्कार करके प्रार्थना करें: “हे प्रभु, मेरे इस पूजन को स्वीकार करें और मेरे मन में भक्ति तथा सत्य के प्रति निष्ठा जगाएँ।” आसन के प्रतीक रूप में पुष्प अर्पित करें।

ॐ श्रीनृसिंहाय नमः।

॥ श्री नरसिंह जी पूजा विधि ॥

॥ ३. स्नान, गंध और पुष्प ॥

पाद्य, अर्घ्य और आचमन के लिए प्रतीक रूप से थोड़ा जल अर्पित करें। अभिषेक योग्य विग्रह को पहले जल से स्नान कराएँ; परंपरा अनुसार पंचामृत से अभिषेक के बाद शुद्ध जल चढ़ाएँ और स्वच्छ वस्त्र से पोंछें। चंदन, वस्त्र या उपवस्त्र, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। तुलसीदल को नैवेद्य के साथ चढ़ा सकते हैं।

॥ ४. धूप, दीप और मंत्र-जप ॥

धूप और दीप अर्पित कर भगवान का नाम स्मरण करें। अपनी सुविधा अनुसार शांत भाव से नाम-मंत्र जपें। प्रचलित नरसिंह मंत्र का स्पष्ट उच्चारण करते हुए पाठ कर सकते हैं:

उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम् ।
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्युमृत्युं नमाम्यहम् ॥

इसके बाद कवच, अष्टकम या अन्य परिचित स्तोत्र का पाठ करें।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री नरसिंह जी पूजा विधि ॥

॥ ५. नैवेद्य, आरती और समापन ॥

फल, दूध से बने प्रसाद या अन्य सात्त्विक नैवेद्य को जल और तुलसीदल सहित अर्पित करें। कुछ क्षण नाम-स्मरण करें, फिर नरसिंह जी की आरती करें। पुष्पांजलि और प्रणाम करके प्रार्थना करें: “हे प्रभु, पूजन में हुई त्रुटियाँ क्षमा करें। मुझे निर्भयता, विनय और सेवा का भाव दें।” प्रसाद सबके साथ बाँटें।

॥ नरसिंह जयंती की विशेष पूजा ॥

वैशाख शुक्ल चतुर्दशी को नरसिंह जयंती मनाई जाती है। इस अवसर पर सायंकाल, सूर्यास्त के निकट विशेष पूजन की परंपरा है। व्रत, संकल्प और अगले दिन पारण का समय स्थानीय पंचांग तथा अपने सम्प्रदाय के अनुसार लें। व्रत के नियम अलग हो सकते हैं; अपनी क्षमता और पारिवारिक परंपरा के अनुरूप पालन करें।

दैनिक पूजा प्रातः या संध्या में अपनी सुविधा से करें।
॥ जय श्री लक्ष्मी-नरसिंह ॥